।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाष : 01565–224600,22900

ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

'आध्यात्म संवाद' में सूफी संतो ने किया प्रस्ताव पारित
संपूर्ण देश में आयोजित होगें सर्वधर्म सद्भाव कार्यक्रम

–तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)–

श्रीडूँगरगढ़ 8 मार्च : राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में आयोजित जैनिज्म और सूफीज्म में समानता का स्वर विषय पर दो दिवसीय आध्यात्म संवाद में आगरा, अजमेर, कोलकात्ता, दिल्ली, मुम्बई दरगाहों के सूफी संतो ने संपूर्ण देश में सर्वधर्म सद्भाव कार्यक्रम आयोजित करने के प्रस्ताव को पारित किया। उक्त जानकारी देते हुए इन्डियन सूफी स्कॉलर फॉर्म के सूफी सैय्यद सफी वासन ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ के शिष्य–शिष्याएं देश के किसी भी कोने विराजित होगें वहां सूफी समाज के द्वारा तेरापंथ श्रावक समाज के साथ मिलकर सर्वधर्म सद्भाव कार्यक्रम आयोजित जायेंगे। उन्होने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञजी की असीम कृपा और वात्सल्य ने मेरे भीतर नई शक्ति का जागरण किया है। आचार्यश्री का पैगाम ही हमारा पैगाम है। हमारी दरगाहों में होने वाले सालाना उर्स में भी साम्प्रदायिक सद्भाव सभा का आयोजन किया जायेगा। उन्होने कहा कि आचार्यश्री के सान्निध्य में आयोजित हुए इस कार्यक्रम से एक नई शुरुआत हुई है। इसको और आगे ले जाना है। देश के कोने कोने से पहुंचे सूफी समाज के दिग्गज संतो की उपस्थिति में लिया गया यह निर्णय देश के सभी धर्मों के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा ऐसा माना जा रहा है। इस संवाद में पहुंचने के लिए सूफी संतों को न कर्फ्यू रोक पाया न ही यातायात असुविधाएं। उत्तरप्रदेश के बरेली कस्बे में लगे कर्फ्यू के बीच से पहुंचे सैय्यद मियान नियांजी और सूफी डॉ. ईशाक हुसैन ने बताया कि जब हमने पुलिस अफसरों को आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में लगने वाले इस आध्यात्म संवाद की जानकारी दी तो उन्होने हमको लाशों के बीच से बड़ी सुरक्षा के साथ आने में सहयोग किया।

महिलाएं विकास के साथ मौलिक विरासत को न भूलें – आचार्य महाप्रज्ञ

आचार्य महाप्रज्ञ ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रदत्त संदेश में महिला समाज को विकास के साथ मौलिक विरासत के प्रति ध्यान देने की जरुरत बताई है। उन्होने कहा कि वर्तमान में महिला जगत् विकास की दिशा में द्रुतगति से आगे बढ़ रहा है। प्रतीत हो रहा है कि अतीत वर्तमान को गति दे रहा है। शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, राजनीति आदि अनेक क्षेत्रों में उसके चरण कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि वही वर्तमान अधिक सफल होता है, जो अतीत की विशेषताओं की उपेक्षा नहीं करता। मातृत्व, करूणा, लज्जा, शालीनता, सहिष्णुता, चरित्र निष्ठा, दायित्व बोध ये महिलाओं की विशेताएं रही है। इनकी विस्मृति विकास के एक पक्ष को अधूरा बना देती है। अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला जगत् अपनी मौलिक विरासत के प्रति ध्यान दें तो समाज के लिए नया सूर्योदय होगा। उल्लेखनीय है कि आचार्य महाप्रज्ञ की अनुशासना में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के द्वारा महिला सशक्तिकरण और कन्या भ्रूण हत्या के विरोध में अनेक कार्यक्रम चलाएं जा रहे हैं। मण्डल की संपूर्ण देश में 380 शाखाएं ग्रामीण महिलाओं को आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना एवं आओं चले गांव की ओर कार्यक्रम से जोड़कर उसके उत्थान पर कार्य करती है। मण्डल ने कन्याभ्रूण हत्या रोकथाम अभियान के अन्तर्गत 2 लाख महिलाओं को भ्रूण हत्या न करने का संकल्प दिलाया है।

युवाचार्य महाश्रमण ने अपने प्रवचन में कहा कि दिवस विशेष से प्रेरणा मिलती है और कुछ करने की भावना जागृत होती है। महिलाओं को अपने परिवार में संस्कार निर्माण की दृष्टि से जागरुक रहना है। उन्होने कन्याभ्रूण हत्या को महिला समाज के साथ अन्याय बताया। उन्होने तेरापंथ महिला मंडल के द्वारा महिला समाज के विकास हेतु गतिविधियों के संचालन का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाएं विवेक चेतना के साथ काम करें यह अपेक्षित है। उन्होने इस मौके पर गीत और उत्तराध्ययन के तुलनात्मक विवेचन में तामस तप के प्रकारों पर प्रकाश डाला।

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक/सहसंयोजक